

प्रेषक,

डा0 एस0एस0 सन्धू,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
नैनीताल।

शहरी विकास/आवास अनुभाग

देहरादून दिनांक: 02-सितम्बर-2004

विषय:-जनपद नैनीताल की नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी में मलिन बस्ती सुधार योजना के अन्तर्गत प्राप्त प्रस्तावों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1041/वि0अनु0-1/2002, दिनांक: 03 दिसम्बर, 2002 शासनादेश संख्या-3181/श0वि0-आ0-2003-237(सा0)/2003, दिनांक: 11 दिसम्बर, 2003 एवं शासनादेश संख्या-1261/श0वि0-आ0-2004-237(सा0)/2003, 17 मार्च, 2004 के क्रम में अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी के पत्र दिनांक: 15 मार्च, 2004 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर स्वीकृत धनराशि के अनुक्रम में नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी हेतु मलिन बस्ती सुधार योजना के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी द्वारा 4 नग हाईमास्ट लाईट, 01 स्काई लिफ्ट, 02 नग फौगिंग मशीन एवं 2.5 कि०ली० की क्षमता के पानी के टैंकर के क्रय हेतु प्रेषित आगणन रू० 37.43 लाख के सापेक्ष राज्य वित्त आयोग द्वारा शासनादेश दिनांक: 03 दिसम्बर, 2002 द्वारा स्वीकृत धनराशि रू० 1,00,00,000.00 में से नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी हेतु मलिन बस्ती सुधार योजनान्तर्गत के अन्तर्गत शासनादेश दिनांक: 11 दिसम्बर, 2003 एवं शासनादेश दिनांक: 17 मार्च, 2004 द्वारा स्वीकृत कुल धनराशि रू० 64,68,640.00 को घटाते हुए अवशेष धनराशि रू० 35,31,360.00 (रू० पैंतीस लाख इकत्तीस हजार तीन सौ साठ मात्र) की धनराशि के विपरीत रू० 37.43 लाख (रू० सैंतीस लाख तैंतालीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय

स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त कार्य हेतु राज्य वित्त आयोग की संस्तुति के अनुसार प्रदत्त धनराशि रु0 1.00 करोड़ में से अवशेष धनराशि रु0 35,31,360.00/ का उपयोग सुनिश्चित करते हुए अवशेष रु0 2,11,640.00/-(रु0 दो लाख ग्यारह हजार छः सौ चालीस मात्र) की धनराशि को नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी द्वारा पालिका निधि से अथवा अपने निजी स्रोतों से व्यय की जायेगी और इसके लिए शासन द्वारा राज्य वित्त आयोग अथवा अन्य प्रकार से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- (2) उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (3) उक्त धनराशि का उपयोग उन्ही योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा जिन योजनाओं एवं मदों के लिये धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्ययवर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जा सकेगा।
- (4) सामग्री का कय तकनीकी विशिष्टियां निर्धारित करडी0जी0एस0 एण्ड डी0 अथवा टैण्डर के आधार पर कय की व्यवस्था स्टोर एण्ड परचेज रूल्स नियमान्तर्गत किया जायेगा बशर्त सामग्री मोनाप्रातिस्टक प्रकृति की नहीं है।
- (5) उक्त वाहन के कय के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित सुसंगत नियमों का पालन किया जायेगा तथा कय की कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराया जायेगा।
- (6) उक्त वाहन का कय डी0जी0एस0 एण्ड डी0 की दरों पर फार्म-डी निष्पादित कर व्यापार कर हेतु अनुमन्य छूट का उपयोग करके ही किया जायेगा।
- (7) वाहन का कय कर स्वीकृत की जा रही धनराशि के उपयोग की सूचना शासन को 31 अक्टूबर, 2004 तक उपलब्ध कराई जायेगी।
- (8) उक्त वाहन का कय तभी किया जायेगा जब वाहन कय के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित सुसंगत नियमों का पालन किया जाना सुनिश्चित कर लिया जायेगा।
- (9) इस शासनादेश द्वारा केवल उक्त योजनाओं की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी जा रही है, कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की जा रही है। स्वीकृत की



जा रही धनराशि का व्यय शासनादेश दिनांक: 03 दिसम्बर, 2002 द्वारा आवंटित धनराशि से किया जायेगा।

- (10) यह आदेश वित्त विभाग के अशा०सं०: 3073 वित्त अनु०-3/2003, दिनांक: 23 अगस्त, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० एस०एस० सन्धू)  
सचिव।

संख्या-132\ (1)/V/श०वि०-आ०-2004-तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1) महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी(प्रथम), लेखा परीक्षा, उत्तरांचल, देहरादून।
- (2) आयुक्त, कुमायूं मण्डल, नैनीताल।
- (3) श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- (4) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी।
- (5) निदेशक, एन०आई०सी०, राचिवालय, देहरादून।
- (6) वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- (7) वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।
- (8) गार्ड बुक।

आज्ञा से,



(डी०के० गुप्ता)  
अपर सचिव।